वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 37 शनिवार 1 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में 16 दिन लगातार चली भीषण हीटवेव: 20 शहरों में पारा 47 डिग्री से ज्यादा रहा

पिलानी (झुंझुनूं) में इस गर्मी का नया रिकॉर्ड बना है, यहां अब तक का सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ। मई के महीने में चूरू में कभी इतना तापमान नहीं रहा, जितना इस सीजन दर्ज हुआ।

जयपुर. कासं

राजस्थान में मई भीषण गर्मी वाली रही। 9 दिन में 66 लोगों की मौत हो गई। मई 16 दिन लगातार हीटवेव का असर रहा। दो शहर फलोदी, चूरू में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छू गया। पिलानी (झुंझुनूं) में इस गर्मी का नया रिकॉर्ड बना है, यहां अब तक का सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ। मई के महीने में चूरू में कभी इतना तापमान नहीं रहा, जितना इस सीजन दर्ज हुआ। पूरे महीने की रिपोर्ट देखें तो चूरू में सर्वाधिक गर्म दिन, जबकि फलोदी में सबसे गर्म रात दर्ज हुई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस साल मई में रिकॉर्ड गर्मी का कारण था किसी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का एक्टिव न होना। अब जून में इतनी तेज गर्मी नहीं रहेगी। जून के आखिरी तक राज्य में मानसून भी दस्तक दे सकता है।

20 शहरों में पारा 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा

राजस्थान में 33 शहरों में से 20 ऐसे शहर रहे, जहां मई में जबरदस्त गर्मी रही। इन शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ है। इसमें भीलवाड़ा, टोंक, अलवर, पिलानी, कोटा, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, बारां, डूंगरपुर, फतेहपुर, करौली, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़ और जालोर शामिल हैं।

66 लोगों की जान गई, सरकार 9 ही मान रही है

इस भीषण गर्मी ने इस बार मानव जीवन पर भी कहर बरपाया। मई के महीने में तेज गर्मी, हीट स्ट्रोक और हीटवेव के कारण 9 दिन में 66 लोगों की मौत हो गई। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन आंकड़ों को छिपाकर प्रदेश में केवल 9 ही मौत होने की बात कह रहा है। हेल्थ डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में 31 मई तक राजस्थान में हीटवेव की चपेट में 4911 लोग आए हैं। ये संख्या 1 मार्च से 30 मई तक की है।

जयपुर में 15 दिन से पारा 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आया

जयपुर की रात की बात करें तो यहां पिछले 15 दिन से तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आया है। 16 मई के बाद से जयपुर में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर है। जयपुर में 21 मई को रात का न्यूनतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आया। वहीं, दिन में भी इस बार जबरदस्त गर्मी रही। जयपुर में मई के महीने में सामान्य अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस रहता है। इस बार जयपुर में 20 दिन तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज हुआ। सर्वाधिक तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस 28 मई को दर्ज हुआ, जो पिछले 10 साल का सर्वाधिक तापमान रिकॉर्ड हुआ।

सबसे ज्यादा हीटवेव-डे मई महीने में, फलोदी में 30 में से 17 दिन

राजस्थान में साल 2022 में मई के महीने में औसतन 15 दिन हीटवेव-डे के थे, जो हीटवेव डे का रिकॉर्ड था। इस साल ये रिकॉर्ड टूटने की संभावना है। इस सीजन में मई में हीटवेव का स्पैल 16 दिन लगातार चला है। जयपुर में 7 दिन हीटवेव-डे काउंट हुए हैं। इसमें तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इधर बाड़मेर में 15 दिन, बीकानेर में 13, चूरू में 14, गंगानगर में 16, जैसलमेर 15, जोधपुर में 11, कोटा में 13 और फलोदी में 17 दिन हीटवेव के काउंट हुए हैं।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट: जयपुर की छलांग; देशभर का 11वां सबसे व्यस्त एयरपोर्ट, 3857 फ्लाइट्स ने यहां से भरी उड़ान

जयपुर

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इन दिनों फ्लाइट संचालन बेहतर हो रहा है। ये इसलिए महत्वपूर्ण है कि पर्यटन सीजन खत्म होने के बाद भी फ्लाइट संचालन के मामले में जयपुर समकक्ष कहे जाने वाले अन्य एयरपोर्ट से आगे रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा जारी रिपोर्ट में विभिन्न एयरपोर्ट्स के फ्लाइट संचालन के आंकड़े जारी किए गए हैं। जिसमें जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट संचालन गोवा और गुवाहाटी जैसे बड़े एयरपोर्ट से अधिक है। दरअसल जयपुर में पर्यटकों का सीजन मार्च माह तक ही माना जाता है। इस बार अप्रैल माह में भी फ्लाइट संचालन का आंकड़ा अधिक रहा है। जिनमें यह साफ है कि जयपुर से फ्लाइट संचालन अप्रैल में पर्यटन सीजन नहीं होने के बावजूद बेहतर रहा है। इसमें महत्वपूर्ण बात ये है कि समकक्ष एयरपोर्ट्स की तुलना में जयपुर एयरपोर्ट आगे रहा है। गुवाहाटी और लखनऊ जैसे एयरपोर्ट जयपुर के समकक्ष माने जाते हैं, जबकि गोवा एयरपोर्ट जयपुर की तुलना में अपेक्षाकृत बड़ा है। हालांकि गोवा में मोपा नया एयरपोर्ट शुरू होने के बाद से पुराने एयरपोर्ट पर फ्लाइट संचालन कम हुआ है, शायद यही वजह है कि जयपुर एयरपोर्ट गोवा से आगे निकल गया है। जयपुर एयरपोर्ट से अप्रैल माह में फ्लाइट संचालन गुवाहाटी और गोवा दोनों की ही तुलना में अधिक रहा है। हालांकि लखनऊ जयपुर से आगे रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विमान संचालन से व्यस्तता की बात की जाए तो जयपुर एयरपोर्ट इस मामले में देशभर में 11वें स्थान पर रहा है। गोवा, गुवाहाटी, त्रिवेन्द्रम, श्रीनगर जैसे एयरपोर्ट जयपुर से पीछे रहे हैं। जयपुर एयरपोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पर्यटन नगरी के रूप में पहचान रखने वाले जयपुर में हवाई सेवाओं का दायरा नहीं बढ़ पा रहा है। जयपुर से इंटरनेशनल एयर कनेक्टिविटी के नाम पर केवल खाड़ी देशों के दुबई, शारजाह, मस्कट के लिए फ्लाइट हैं। वहीं पूर्वी एशियाई देशों में बैंकॉक और कुआलालंपुर के लिए फ्लाइट उपलब्ध हैं। वर्ष 2017 तक जयपुर से सिंगापुर के लिए फ्लाइट उपलब्ध थी, लेकिन यह बंद हो चुकी है।

आहार जी मे सर्वकार्य सिद्धिकारक अभिनव सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ आज से प्रारंभ

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। अनेक अतिशय एवं सिद्धक्षेत्रो से सुशोभित बुंदेलखंड भूमि पर सौंदर्य के मध्य स्थित कामदेव मदन कुमार एवं विश्कंवल केवली की निर्माण भूमि सिद्धक्षेत्र आहार जी (टीकमगढ़)में स्थित देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म,तप एवं मोक्ष कल्याणक पर 1008 कलशो से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जायेगा।क्षेत्र कमेठी के उपाध्यक्ष दिनेश जैन शिक्षक द्वारा बताया गया कि पांच दिक्सीय श्री 1008 अभिनव सिद्ध चक्र महामंडल विधान का मंगलमय आयोजन परमपूज्य ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के परम प्रिय शिष्य परम पूज्य श्री 108 युगल मुनि शिवानंद जी मुनि श्री प्रशमानंद जी महाराज के मंगल सानिध्य में बाल ब्र.पंडित जयकुमार जी निशांत के कुशल निर्देशन में 1 जून से 5 जून तक आयोजित किया जा रहा है।

सम्यक ज्ञान शिक्षण शिविर का समापन

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में 22 से 29 मई तक आयोजित सम्यक ज्ञान शिक्षण शिविर का 30 मई को चिन्मय संत निवास नागौरी मंदिर जी कुचामन सीटी मे समापन हुआ। संस्थान के निर्देशन में सभी शिविरार्थियों की परीक्षा हुई। छोटे बच्चो कि मोखिक परीक्षा मे भव्य जैन प्रथम, विशेष जैन द्वितीय ,शौर्य जैन तृतीय रहे। बड़े बच्चों में प्रथम स्थान पर गीतांश जैन, द्वितीय मिष्टी जैन व तृतीय स्थान पर सम्यक जैन रहे। सभी पुरुष व महिलाओं में प्रथम उअ सलोनी झांझरी (जो जैन पाठशाला की शिक्षिका भी है) रही। द्वितीय सुमन जी झांझरी व तृतीय बबीता जी बड़जात्या रहे। नमन भैया जी व अर्पित भैया जी ने जो धार्मिक ज्ञान व धार्मिक संस्कार प्रदान किए, समस्त समाज ने उनकी प्रशंसा की व उनके मंगल जीवन की कामना की। समाज के लालचंद , अजित , पहाड़िया बिमल , राजकुमार, रिषभ, झांझरी ,कैलाश पाडंया , अभिषेक काला , तेज कुमार बडजात्या ,सजंय सेठी , अभिषेक पाटनी व समाज कि महिलाए द्वारा भैया जी व परिक्षा मे उत्तिण शिविराथीयो का तिलक माला साफा से स्वागत व अभिनंदन कर बहुमान किया गया। अध्यक्ष बिनोद झांझरी द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संदेश देकर जताई प्रतिबद्धता

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनि सुव्रत नाथ फाउंडेशन द्वारा आयोजित चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता के जरिए तंबाकू उत्पाद के दुष्प्रभाव को दशार्या। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि जगतपुरा स्थित अक्षय पात्र चौराहे पर एकत्रित होकर कार्यकताओं ने संदेश देकर तंबाकू बीड़ी सिगरेट खैनी जर्दा आदि उत्पादों के सेवन से बचने के लिए प्रेरित किया। मैना गंगवाल ने कहा कि तंबाकू उत्पाद का सेवन न सिर्फ सेहत के साथ खिलवाड़ करता है साथ ही परिवार पर भी आर्थिक बोझ बढ़ता है, जिसके चलते परिवार में बिखराव की स्थितियां भी उत्पन्न हो जाती है। वरिष्ठ सदस्य शिव कुमार ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के दलदल से बचने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। इस मुहिम के दौरान अनिल, आरती, धीरेंद्र, अंकित, नेहा, पिंकल, मनोज, दिशा, सुनीता, खनक, प्रिया, इशिता, आदिश आदि उपस्थित रहे।

धर्म प्रशिक्षण शिविर का समापन व सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा आयोजित श्री दिगम्बर जैन मन्दिर संघीजी में पिछले दस दिनों से बच्चों की शिक्षा के लिए धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सभी को जैन दर्शन, तीर्थंकर उपदेशना एवं संस्कृति की महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करना था। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोगो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 15 मई 2024 से आरम्भ इस शिविर में बालक बालिकाओं को प्रतिष्ठाचार्य डॉक्टर विमल कुमार जैन, विधानाचार्य रमेश गंगवाल एवं विद्वान महानुभाव संयम शास्त्री द्वारा धर्म दर्शन और जिनेन्द्र पूजा विज्ञान आदि के महत्व को समझाते हुए ज्ञानार्जन कराया। उक्त जानकारी देते हुए शिविर संयोजिका श्रीमती सोनम जैन, श्रीमती बीना देवी जैन, श्रीमती ममता जैन संघी, श्रीमती ऋचा जैन ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया , शिविर समापन से पूर्व महिलाओं व बच्चो ने धर्म ज्ञान प्राप्त कर के परीक्षा दी और सुन्दर परिणाम दिया। शिविरार्थियो को अल्पाहार लोकेन्द्र-सोनीका, योगेन्द्र - आयुषी गंगवाल ने दिया एवं पुरुस्कार निर्मल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शशि देवी सौगाणी एवं रोहित चांदवाड़ परिवार द्वारा वितरित की गई। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले शिक्षकों, स्वयंसेवकों, समाज श्रेष्ठी जन, और अभिभावकों एवं बालक बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा से बदलाव आएगा, तथा उन्हें जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रति जागरूक बनाते हुए संयम पथ पर अग्रसारित करेगा। मन्दिर संघीजी प्रबन्ध समिति की और से रवि प्रकाश बगड़ा ने योगदान देने वाले सभी महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। -**रमेश गंगवाल**

सीकर जैन समाज द्वारा आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ समापन

सीकर. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अन्तर्गत संचालित व सीकर जैन समाज द्वारा आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के समापन समारोह स्थानीय पार्श्वनाथ मार्ग स्थित सन्मति पाठशाला में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कई धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई व शिविरार्थियों को सम्मानित किया गया । शिविर संयोजक पंडित विकास जैन शास्त्री व सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजिका मनीषा सेठी ने बताया कि अंतिम दिन शिविर में पढ़ाए गये धार्मिक विषयों की परीक्षा हुई , जिसमें उत्तीर्ण हुए प्रशिक्षणार्थियों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया। शिविर संयोजक नवरत्न छाबड़ा बीड़ व बिंदु , नेहा जैन ने बताया कि हर वर्ग में उत्कृष्ट परिणाम पाने वालो को शिविर सारथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया । शिविर के मीडिया प्रभारी वीरध्वनि समूह के विवेक कुमार पाटोदी ने बताया कि समापन समारोह में समाज के बच्चों द्वारा भक्तिमय नृत्य प्रस्तुतियां दीं गई । पुरस्कार वितरण समारोह में शिविर के भाग 1 से प्रथम काव्या जैन सुपुत्री मनीष जैन , द्वितीय वंशिका जैन सुपुत्री मनोज सेठी व तृतीय हार्दिक जैन सुपुत्र अनित जैन रहे । भाग 2 से प्रथम मिनल जैन सुपुत्री प्रवीण जैन , द्वितीय माही जैन सुपुत्री अरविंद जैन व चाहत जैन सुपुत्री संजय जैन रहे । छह ढाला परीक्षा में प्रथम कीर्ति जैन सुपुत्री जितेंद्र दीवान, द्वितीय सुमन जैन धर्मपत्नी महेश बड़जात्या व तृतीय मोनिका जैन धर्मपत्नी प्रदीप बिनायक्या रही ।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस जन जागृति कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैंसर रिलीफ सोसायटी के आह्वान पर श्रमिक वर्ग के बीच में जाकर राजस्थान जनमंच की युवा टीम ने तंबाकू निषेध जन जागृति कार्यक्रम चलाया । इसके अंतर्गत गोपालपुर और टोंक फाटक श्रमिक चौकड़ियों में तंबाकू निषेध समझाइस कार्यक्रम व जन जागृति सभा आयोजित की गई तथा जन जागृति पत्रको का वितरण हुआ। जन जागृति कार्यक्रम में युवा सदस्य अमोलक बैरवा, सौम्यता लोचन, रितिका मीणा, जितेंद्र, वैष्णवी, सोनिया, अमन शर्मा, नेहा वर्मा आदि युवा सदस्यों ने भाग लिया जयपुर कैंसर रिलीफ सोसायटी के सुधींद्र गेमावत व राजेंद्र प्रसाद कयाल ने बताया कि 01 जून को जन जागृति के अंतर्गत 07 नंबर बस स्टैंड जगतपुरा एवं सांगानेर में सभाएं और जन जागृति कार्यक्रम आयोजित होंगे ।

ओपन क्लासिकल फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अमर पैलेस होटल जयपुर में चल रही प्रथम जयपुर ओपन क्लासिकल फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में आज तम्बाकू निषेध दिवस पर चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर लोकेंद्र शर्मा एव उनकी टीम ने चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारीयो को, सभी सदस्यों को एवं सभी खिलाड़ियों को तंबाकू निषेध कि शपथ दिलाई। आयोजन सचिव जयंत चतुर्वेदी ने बताया कि पांच चक्र के बाद सात खिलाड़ियों ने 5 में से 5 अंक अर्जित करके बढ़त बना ली है। इनमें उदयपुर के दिव्यांशु बावेल भी हैं। आज के मुख्य परिणामों में बंगाल के अर्पण दास ने आंध्र के लक्ष्मी चरण नायडू को, पुडुचेरी केएस बद्रीनाथ ने महाराष्ट्र के आशीष चौधरी को, श्रीराज भोसले ने अथर्व को, बिहार के किशन कुमार ने गुजरात के स्नेह दवे को, बिहार के ही सुधांशु रंजन ने उज्जवलदीप को, दिल्ली के वंदन अलंकार ने जयपुर के नारायण जोशी को, गुजरात के कर्तव्य अनादकट ने राजस्थान होमी मदान को, बीकानेर के शेर सिंह ने महाराष्ट्र के भुवन शितोले, मध्य प्रदेश के फीडे मास्टर एसके राठौर ने हरियाणा के कृष्ण कुंडू को, जयपुर के राज कपूर ने अखिलेश जाखड़ को, प्रणय चौरडिया उदयपुर ने हरियाणा के आत्म जीत सिंह को पराजित किया। उदयपुर के अरुण कटारिया आंध्र के कोल्ला भावन, जयपुर के विक्रमादित्य मुखीजा महाराष्ट्र के श्रुति काले, जयपुर के महेंद्र लखियानी कर्नाटक के राजस दहाले, जयपुर के मिलिंद गावड़े पंजाब के पुनीत वर्मा, रुद्रदमन मेड़तिया महाराष्ट्र के शांतनु के बीच बाजियां बराबर रहीं। अन्य परिणामों में राजस्थान के सिध्दांत चतुर्वेदी, अर्णव गुप्ता, दक्ष सिंह, पंचरत्न हर्ष, गौरांश शर्मा, ईशान रिजवानी, आरव नीलकमल गुप्ता, ओजस जोशी व अनुज चौमाल ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी।

मुनि श्री श्रुतेश सागर जी व सक्षम सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश हुआ

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दिगंबर मुनि परम पूज्य आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराजसंघ के मुनि श्री 108 श्री श्रुतेश सागर जी व सक्षम सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश आज ब्यावर नगरी में हुआ। सुबह जुलूस चाग गेट पाली बाजार से सरावगी मोहल्ला बड़ा मंदिर जी चैत्यालय जी, अजमेरी गेट से श्री दिगंबर जैन पंचायती नसिया पहुँचा। रास्ते में जगह जगह पाद प्रक्षालन किया गया। महाराज जी के मंगल प्रदेश में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा विकल कासलीवाल अमित गोधा संजय जैन कल्पेश जैन मनोज सोगानी राकेश गोधा पवन पाटनी मनोज जैन आशीष बाकलीवाल सुभाष कटारिया निर्मल रावका अंकुर अजमेरा पदम जैन जितेंद्र ठोलिया सुमित अजमेरा मधुल जैन सहित समाज के सदस्य उपस्थित थे। पंचायती नसीया में मंगलाचरण के बाद मुनि श्री के प्रवचन हुए शाम में भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया।

वेद ज्ञान

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें...

मनुष्य की अच्छी वृत्ति ही सद्वृत्ति है। यानी जो भी कार्य हम करते हैं, उसके प्रति हमारी मनोभावना सच्ची हो। सद्वृत्ति का मतलब है-हमारी मन की सभी वृत्तियां सच्ची और अच्छी हों। उसमें किसी भी प्रकार का कोई गलत विचार न आए। हम जो भी कार्य करें, वह अच्छी भावना के साथ करें। अच्छे लोगों को प्रोत्साहित करें। कुछ ऐसा कार्य करें, जिससे समाज में एक नई प्रेरणा जाग्रत हो, समाज का पथ-प्रदर्शन हो। हम ऐसा कार्य करें कि लोगों का जीवन जागृत हो, नई मनुष्यता और नए जगत का सूत्रपात हो। जब भी किसी की तारीफ होती है, वह अच्छे कार्यों के लिए होती है। गलत कार्यों की कोई प्रशंसा नहीं करता। इसलिए हम जो भी सोचें या कार्य करें, वह उत्तम हो। उत्तम यही है कि हमारे प्रत्येक कार्य में हमारे साथ ही सबका हित हो। विचार ही मनुष्य का जीवन और मृत्यु है। विचारवान व्यक्ति हमेशा अच्छा ही कार्य करेगा। अच्छे विचार का मतलब सकारात्मक सोचते हुए और विकारों से दूर रहकर कर्म करना है। अपने कार्य के प्रति हम जितना सकारात्मक और आशावादी होंगे, हमारी सद् वृत्ति उतनी ही अच्छी होगी। नकारात्मक विचार ही मृत्यु है। सफलता और असफलता जीवन की घटनाएं हैं, लेकिन मनुष्य को प्रत्येक परिस्थिति में अपनी वृत्तियों को अच्छा बनाए रखना चाहिए। यह तभी संभव है, जब व्यक्ति आशावान और सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा। असल में हमारे अंतर्मन की वृत्तियों में सामान्यतः कुछ न कुछ बुरी भावनाएं-विचार हमेशा आते और पनपते रहते हैं। संकल्प के साथ विकल्प भी आते रहते हैं, लेकिन यदि व्यक्ति अभ्यास करे, तो इनसे दूरी बनाई जा सकती है। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन, अभ्यास से तुम अपने अंतर्मन की चंचल वृत्तियों को रोककर अपने मन को एकाग्र कर सकते हो। जैसा हम जानते हैं कि मनुष्य को काम, क्रोध, मोह, लोभ आदि विकार घेरे रहते हैं, लेकिन अच्छे विचारों के माध्यम से इनसे छुटकारा पाया जा सकता है। जीव तभी जीव बनता है, जब उसके अंदर कुछ न कुछ कमी रह जाती है। कहीं न कहीं वह कोई गलती कर जाता है, जिससे वह पूर्ण नहीं हो पाता। नर में नारायण बनने की शक्ति है, लेकिन यह तभी संभव है, जब मनुष्य अपनी वृत्तियों और चित्त को निर्मल और स्वच्छ रखे और एक-दूसरे के साथ भाईचारा, प्रेम, सहृदयता रखे।

संपादकीय

लगातार बढ़ रही है गर्मी....

हर साल मई के आखिरी पखवाड़े से लेकर जून के अंत तक, जब तक मानसून गंगा के मैदानी इलाकों में नहीं आ जाता, उत्तर भारत में गरमी सामान्य मौसमी परिघटना है। इन दिनों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे तमाम राज्य तपते रहते हैं। यह मानसून में तेजी लाने के लिए आवश्यक भी माना जाता है, क्योंकि गरमी जितनी तेज होती है, अरब सागर से उतना ही मजबूत मानसून भारत को भिगोता है।

मगर अब जरूरत से अधिक गरमी पड़ने लगी है और तापमान 50 डिग्री के पार जाने लगा है। भारत के कई शहर तो पहले से अधिक गरम हो चले हैं। आखिर क्यों? दरअसल, इसकी बड़ी वजह जलवायु में लगातार हो रहा बदलाव है। जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का कहना है कि जब तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होती है, तो हीट वेव की आवृत्ति (आने की दर), समय और प्रभाव में कम से कम दोगुना का इजाफा होता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में हीट वेव आने की दर बढ़ गई है। पहले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र जैसे राज्य ही इसकी चपेट में आते थे, लेकिन अब तेलंगाना, उत्तरी कर्नाटक जैसे इलाके भी मार्च-अप्रैल से ही बेहिसाब गरमी झेलने को मजबूर हैं। सरकारों ने तो पहले से ही इससे लड़ने की तैयारियां शुरू कर दी थीं। बहरहाल, तापमान का बढ़ना और गरमी की तपन महसूस करना, दोनों अलग चीजे हैं। आपने खबरों में भी देखा होगा कि कहीं तापमान तो कम होता है, लेकिन गरमी अधिक महसूस होती है। यह काफी हद तक नमी पर निर्भर करता है। यदि वातावरण में नमी कम हो, तो शुष्क, यानी सूखी गरमी पड़ती है, जिसमें कूलर, पंखा आदि से राहत मिल जाती है। मगर जब तापमान के साथ नमी भी होती है, तो हमारे शरीर से काफी ज्यादा पसीना निकलने लगता है और 35-36 डिग्री सेल्सियस तापमान भी 40 डिग्री के समान महसूस होने लगता है। ऐसी उमस में एयर कंडिशनर ही कारगर साबित होता है। उल्लेखनीय है कि तापमान मापने का तरीका बिल्कुल सामान्य है। शहर की कुछ जगहों पर इसकी मशीनें लगाई जाती हैं, जिनमें थर्मामीटर की तरह तापमान मापने वाला यंत्र होता है। वही हवा की गति भी माप लेता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बेरोजगारी और चुनाव

चुनाव नतीजों के बाद अगली सरकार चाहे जिसकी बने, एक बड़ी चुनौती पहले से ही मौजूद है : रोजगारों का सृजन। दो महीने लंबे चुनाव-अभियान के दौरान देश भर के मतदाताओं- खासकर युवाओं ने बेरोजगारी को अपनी सबसे प्रमुख समस्या बताया। बेरोजगारी को एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दे के रूप में पहली बार इस साल मार्च-अप्रैल में लोकनीति-सीएसडीएस सर्वेक्षण में उठाया गया था। यह सर्वेक्षण मतदान से ठीक पहले हुआ था। इसमें पाया गया कि पिछले चुनावों के विपरीत, इस बार बेरोजगारी एक निर्णायक फैक्टर के रूप में उभरकर सामने आ रही है। ऐसे में आश्चर्य होता है कि भाजपा ने अपने चुनाव-अभियान में इस मुद्दे पर बात करने की जरूरत नहीं समझी। पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र में 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी से लेकर सभी ट्रेन संबंधी सेवाओं के लिए एक 'सुपर एप' बनाने तक के वादे किए गए, लेकिन बेरोजगारी की जमीनी हकीकत से वो मेल नहीं खाते हैं। वास्तव में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो बेरोजगारी के मुद्दे को ही नकार दिया। हाल ही में एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से लोगों ने रोजगार को सरकारी नौकरी से जोड़ दिया है। 130 करोड़ की आबादी में किसी भी सरकार के लिए सभी को नौकरी देना असंभव है।' शाह की बात सही है कि सरकारों के पास रोजगार देने की सीमित क्षमता है। तब निजी क्षेत्र का विस्तार करके इस कमी को पूरा किया जाना चाहिए, खासकर छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों में, जहां अकुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को समायोजित किया जा सकता है। याद रहे कि देश की वर्कफोर्स में एक बड़ी संख्या ऐसे अकुशल और अर्ध-कुशल कामगारों की ही है। इसके बावजूद शाह की टिप्पणी कठोर थी, क्योंकि वे एक ऐसी सरकार के शीर्ष नेता की ओर से आई थी, जो 22 करोड़ श्रमिक परिवारों का प्रभावशाली नेटवर्क बनाने पर गर्व करती है। मोदी सरकार ने इन परिवारों को अन्य लाभों के अलावा मुफ्त मासिक राशन, मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन, मुफ्त शौचालय, सब्सिडी युक्त सस्ते घर, प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण लाभ और मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया है। जब इतना सब दिया जा सकता है तो नौकरियां क्यों नहीं? सच तो यह है कि जब आप एक लाभार्थी-संस्कृति विकसित करते हैं, जिसमें लोग इतने बड़े पैमाने पर सरकार की ओर से मुफ्त सौगातें पाने के अभ्यस्त हो चुके हों, तब वे अपने दैनिक जीवन में मानवीय श्रम और प्रयास की भावना को गंवाने लगते हैं। राजकोषीय घाटे के प्रबंधन पर दबाव के बावजूद सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं की अपनी सूची में कटौती नहीं की है, जाहिर है चुनावी लाभ के लिए। सरकारी नौकरियां आर्थिक सुरक्षा, स्थायित्व और अपने रुतबे की वजह से एक औसत भारतीय का हमेशा से ही सपना रही हैं। दुर्भाग्य से, पिछले दस वर्षों में सरकार ने भर्ती में भारी कटौती की है। अग्निवीर योजना ने सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों में स्थायी नौकरी की उम्मीदों को आघात पहुंचाया है। विनिवेश से भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नौकरियां कम हुई हैं। सरकारी भर्ती के लिए परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं और पिछले कई वर्षों से यूपी और बिहार जैसे राज्यों में न के बराबर भर्तियां हुई हैं। स्वरोजगार करने वालों और रेहड़ी-पटरी आदि के लिए उदारतापूर्वक कर्ज जरूर दिए जा रहे हैं, लेकिन आकांक्षी वर्गों की महत्वाकांक्षाएं इस तरह के रोजगारों से कहीं अधिक की हैं।

श्याम प्रभु की महिमा अपरम्पार, सभी मिल बोलो श्याम बाबा की जय-जयकार

श्याम मंदिर के 27वें वार्षिकोत्सव पर देर रात तक बही भजनों की रसधारा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्याम प्रभु की आराधना में भक्ति रस की ऐसी धारा बही की भक्त साथ में झूमते चले गए। मंच पर गायक श्याम बाबा की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दे रहे थे तो मंच के समक्ष सैकड़ो श्याम भक्त भजनों की सरिता में डूबकियां लगा स्वयं को धन्य मान रहे थे। ये नजारा 30 मई गुरूवार रात श्याम भक्तों की आस्था के प्रमुख केन्द्र भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर के 27वें वार्षिकोत्सव के तहत श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति के तत्वावधान में आयोजित विशाल भजन संध्या के दौरान दिखा। देर रात तक चली भजन संध्या में मशहूर भजन गायक कोलकात्ता के सौरभ शर्मा एवं नीमच की कनिका ग्रोवर ने श्याम बाबा की भक्ति के विभिन्न रंगों से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक भक्तिरस से सराबोर कर देने वाले भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बनाया। जिसकी नैया श्याम भरोसे वह डूब नहीं सकती, छोड़ के चिंता मन मे विश्वास जगा ऐसा है मेरा सांवरिया, खाटू बुलाता रहे, कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है, मैंने मोहन को बुलाया वह आता होंगा जैसे हर भजन के साथ श्याम बाबा के जयकारे भी गूंजायमान होते रहे। गायकों ने भजनों व गीतों की प्रस्तुति देकर श्याम बाबा के श्रीचरणों में भक्ति व श्रद्धा के पुष्प समर्पित किए। भजनों पर श्याम भक्त जमकर थिरकते रहे। कथा के शुरू में श्याम बाबा की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति के अध्यक्ष सुशील कन्दोई आदि ने भजन गायकों व अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। भजन संध्या में संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज, निम्बार्क आश्रम के महंत मोहनशरण शास्त्री, हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास महाराज का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। भजन संध्या में भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल सहित समाज के विभिन्न वर्गो से जुड़े हजारों श्याम भक्त मौजूद थे। भजन संध्या से पूर्व श्याम बाबा की आरती में भी भक्तगण उमड़े। आयोजन को सफल बनाने में समिति के विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने समर्पित भाव से पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

निशान यात्रा में उमड़े भक्त, गूंजे श्याम बाबा के जयकारे

श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति के तत्वावधान में गुरूवार सुबह निशान यात्रा के साथ 27वें वार्षिकोत्सव का भव्य आगाज हुआ। सुबह ही तेज गर्मी का आलम होने के बावजूद श्याम भक्त निशानयात्रा में शामिल होने के लिए उमड़े। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं समिति के अध्यक्ष सुशील कन्दोई ने बताया कि काशीपुरी स्थित श्याम मंदिर से शास्त्रीनगर सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर तक भव्य निशान पदयात्रा श्याम भक्तों द्वारा निकाली गई। निशान पदयात्रा में 151 से अधिक निशानों के साथ श्याम भक्त शामिल हुए। निशान पदयात्रा के दौरान श्याम बाबा के जयकारे गूंजते रहे और भक्त नाचते-गाते चलते रहे। श्याम मंदिर पर पहुंच निशान पदयात्रा का समापन हुआ। आयोजन सफल बनाने में भक्त भरत कन्दोई, अंकुर जागेटिया, नितिन हिम्मतरामका, मुकेश अग्रवाल, आनंद पारीक, निखिल परवाल, मनोज टेबरीवाल, पीयूष, सौरभ, सुनील सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने उत्साह से सहभागिता निभाई।

श्याम बाबा का विदेशों से मंगाए फूलों से विशेष श्रृंगार, सजाई छप्पनभोग की झांकी

वार्षिकोत्सव के तहत मंदिर में श्याम बाबा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार करने के साथ फूलों से विशेष भव्य सजावट की गई है। मंदिर में स्थापित श्याम बाबा की प्रतिमा का देशी व विदेशी फूलों से श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को भी भव्य रूप से सजाया गया। इस अवसर पर भगवान के छप्पन भोग की झांकी भी सजाई गई। गौरतलब है कि हर वर्ष 30 मई को होने वाला श्री श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव भीलवाड़ा के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शुमार हो चुका है।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का गायत्री नगर में समापन एवं सम्मान समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, गायत्री नगर, महारानी फार्म, जयपुर में दिनांक 15 मई से लगे, संस्कार शिविर का दिनांक 30 मई 2024 को समापन कर, एक समापन एवं सम्मान समारोह जैन भवन में आयोजित हुआ। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन समाज श्रेठीजन अशोक एच पी सी एल वाले, महिमा डोली अजमेरा, निर्मल गदिया, लता सौगानी, सारस मल झाँझरी, कैलाश छाबड़ा, राजेश बोहरा, अरुण शाह द्वारा किया गया। शिविर की बालिका किशा जैन के द्वारा शानदार नृत्य अभिनय के माध्यम से मंगलाचरण किया गया। मंदिर प्रबंध

समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ने अपने उद्बोधन में शिक्षण शिविर में इतनी बडी संख्या में महिला-पुरुषो-बच्चो को शिविर में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा शिविर की सराहना की। उपाध्यक्ष अरुण शाह ने बच्चो में अच्छे संस्कार के लिए उनके पेरेंट्स को भी चाहिए की बच्चो को प्रोत्साहित कर उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए। शिविर की मुख्य संयोजिका मंन्जु जैन सेवावाले ने शिक्षण शिविर के बारे में विस्तार से बताया, तथा शिविर के सफल संचालन पर, मंदिर प्रबंध समिति का, समाज श्रेठिजनो का जिन्होंने आर्थिक सहायता की, दीदियों को भोजन हेतु लाना व ले जाना के साथ भोजन हेतु आमंत्रित किया। जिन्होंने बच्चो को संस्कार शिविर में गिफ्ट/उपहार भेंट कर प्रोत्साहित करने का कार्य किया। मुख्य तौर पर शिविर में बच्चो को पढ़ाने वाली शिक्षिकाओं, अनीता बड़जात्या, प्रमिला जैन, किरण बिल्टीवाला, विमला जैन, पिंकी पाटनी का तथा श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर का, व मंदिर जी में कार्य करने वाले सहयोगियो का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो के साथ बाकी बचे सभी को जिन्होंने परीक्षा दी थी, उन्हें भी सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर प्रबंध समिति, समाज श्रेष्ठियों, संयोजको, शिक्षिकाओं तथा सभी अतिथियों, आगन्तुको, शिविर में भाग लेने वालों का सभी का अभिनन्दन, स्वागत, सम्मान कर सभी के लिए मंगल भावनाओ के साथ क्षमा याचना करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया।

गौ सेवा ही परम सेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के सौजन्य से पिंजरपोल गौशाला सांगानेर में नारायण अग्रवाल की प्रेरणा से गौ सेवा कर गायों को चारा खिलाया गया । इस अवसर पर ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि वहां समाजसेवीका मनीषा जैन, मुकेश छीपा, विमल खांडल व अनंत जैन उपस्थित रहे।अंत मे सभी ने गौ सेवा कर गौ रक्षा का प्रण लिया।

संयममी श्रमण भगवंत के प्रति श्रावक का उत्तरदायित्व

पदमचंद गांधी. शाबाश इंडिया

सभी सु श्रावक रत्नों से अपील देखने में आ रहा है छठे आ रे का असर शुरू हो गया है ' गर्मी अपने चरम स्तर पर पहुंच रही है। चारों तरफ गर्मी का प्रकोप सभी जीवो के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता प्रदूषण, इकोलॉजिकल इंबैलेंस ,पेड़ पौधों का काटना, यह सब मानवीय कृतियां का परिणाम है ' लेकिन इनकी सजा प्रत्येक जीव को मिल रही है। जैन धर्म के अनुयाई जिन शासन के गौरव और हमारी धरोहर जो संयमी साधक है उनमें से दिनांक 25 में से आज 30 तारीख तक का 10 -15 संत एवं साथियों ने अपने प्राण त्यागे हैं ' संभवत यह गर्मी के प्रकोप से ही हुआ है ' संयम साधना बहुत कठिन है ' जीवन में कई तरह के कष्ट एवं परीशह आते हैं ' इस स्थिति में श्रावक वर्ग की सजकता आवश्यक होती है। संयमी साधक अपनी समाचारी के अनुसार, मर्यादा अनुकूलता के अनुसार तथा 5 समिति और तीन गुप्ती के अनुसार अपना जीवन यापन करते हैं। उनके नियम का पालन करना सहज नहीं होता। इस स्थिति में श्रावक का कर्तव्य बन जाता है कि वह उनकी अनुकूलता के अनुसार, संयम में सहायक बनें, संयम रूपी धरोहर को बचाने का प्रयास करें। उनका संरक्षण, देखभाल एवं उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सहायक बनने का प्रयास करें। यह बात सही है गृहस्थ जीवन में हम सभी तरह की सुविधाएं जुटा लेते हैं लेकिन हमारे पूजनीय एवं वंदनीय संयमी श्रमण भगवंत को गृहस्तों के ऊपर आश्रित रहना पड़ता है उसमें भी वह अपनी अनुकूलता के अनुसार आहारपाणि ग्रहण करते हैं। सभी श्रावकों से विनम्र अनुरोध है कि कृपया पर्याप्त मात्रा में, उचित समय पर ,धोवन पानी, बिना फ्रिज एवं बर्फ का बीज रहित फल एवं फलों का रस , इमली का पानी केरी का पानी जोलिया एवं जो गर्मी से बचाने वाली आवश्यक दवाइयां हैं एवं धूप से बचने के लिए आवश्यक उपकरण आदि का सुपात्र दान करने का विशेष ध्यान रखें और आग्रह पूर्वक, आहो भाव के साथ ,गुरु भगवंत से निवेदन करें ,और उनकी संयम साधना में सहायक बनने का प्रयास करें 'संत एवं साध्वी जी चाहे किसी भी संप्रदाय के हो , किसी भी आमना के हो वह सभी प्रभु महावीर के अनुयाई हैं और हम सब प्रभु महावीर के श्रावक हैं इस भावना को दृष्टिगत रखते हुए उनके संयम सुरक्षा में सहायक बनेअनावश्यक रूप से इस तपती हुई गर्मी में गोचरी हेतु दूर तक ले जाने का आग्रह भी नहीं करें ' संतो के लिए सात'कारी स्थान पर विराज ने का आग्रह करें ' इस गर्मी में बिहार को टालने का प्रयास करें। यही हमारा श्रावक धर्म है ,वया वच्च हैं और हमारा कर्तव्य भी।

।। श्री शान्तिनाथाय नमः।।

सेठ बन्जीलाल ठोलिया चैरिटी ट्रस्ट, जयपुर

द्वारा संचालित

सेठ बन्जीलाल ठोलिया धर्मशाला

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है।
इस अवसर पर आयोजित समारोह में आप सादर आमंत्रित है।

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्त्री रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज एवं दवा वितरण, आँखों की जाँच, लैंस प्रत्यारोपण

निःशुल्क आयुर्वेदिक व नेत्र चिकित्सा शिविर
एवं
परिण्डा वितरण समारोह
सोमवार, दिनांक 3 जून, 2024
समय : प्रातः 9.15 बजे से दोपहर 11.15 बजे तक
स्थान : सेठ बन्जीलाल ठोलिया धर्मशाला, घीवालों का रास्ता, जयपुर

निवेदक
सेठ बन्जीलाल ठोलिया परिवारजन

।। श्री १०८ विद्यासागराय नमः।। ।।श्री १०८ सुधासागराय नमः।।

आशीष प्रदाता

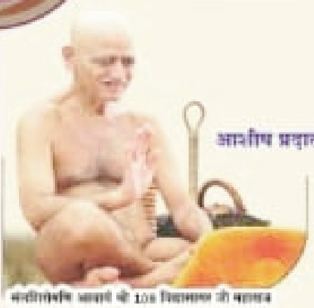

संतशिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

प्रेरणा प्रदाता

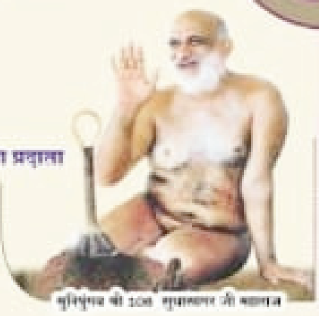

मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद
एवं
परम पूज्यनिर्यापक मुनिपुंगव श्री १०८ सुधासागरजी महाराज
की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

अ.भा.श्रमण संस्कृति महिला महासमिति, सांगानेर

के संयुक्त तत्वावधान में

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के उत्कृष्ट त्याग-तपस्या को समर्पित

उपकार महोत्सव -2024

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर

भव्य समापन समारोह

शनिवार, दिनांक 1 जून, 2024

समय- सायं 6.30 बजे से • स्थान : बिड़ला सभागार, स्टेच्यु सर्किल, जयपुर

समारोह गौरवमयी प्रमुख अतिथिगण

भामाशाह श्री अशोक जी पाटनी - व्रतीश्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला जी पाटनी

श्रीमती मंजू जी शर्मा (जनसेविका, भाजपा)

- श्री नवीन जी जैन (आईएएस), शासन सचिव आयोजना एवं बजट
- समाजगौरव श्री तरुण जी रजनी जी काला, मुम्बई
- समाजगौरव श्री नन्दकिशोर जी शांतिदेवी जी पहाड़िया
- समाजगौरव श्रीमती रचना जी कुसुम जी मोदी
- समाजगौरव री शांतिकुमार जी ममता जी सोगानी (जापानवाले)
- समाज गौरव श्री पारस जी जैन (डीएसपी दक्षिण)

आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.)

संयोजक - श्री दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं कैपिटल

बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज ससंघ का 2 जून को मंगल प्रवेश चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य 108 इंद्रनंदी जी महाराज जी के परम शिष्य बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज जी ससंघ का 2 जून रविवार प्रातः 7 बजे चोमू बाग जैन मंदिर सांगानेर से भव्य शोभायात्रा के साथ सांगानेर चित्रकूट जैन मंदिर मंगल प्रवेश होगा। तत्पश्चात धर्मसभा होंगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

<u>मैं उसी का जिम्मेदार हूँ, जो मैने कहा है..</u>
<u>उसका नहीं, जो तुमने समझा है..!</u>
तभी तो आज कल लाख रुपए वाले की पूछ ही क्या है? महंगाई का जमाना है। महंगाई तेजी से बढ़ रही है और इस महंगाई के युग में लाख रुपए क्या मायने रखते हैं? महंगाई दिन दूनी, रात चौगुनी बढ़ रही है। इसलिए लाख से परिवार नहीं चल रहा है।
<u>अगर महंगाई में होता रहा इस तरह चढ़ाव, तो अखबार में छप जायेंगे।</u>
<u>एक दिन ये भाव: गेहूँ एक रूपया जोड़ी, चावल चार रूपया कोड़ी।</u>
<u>दूध पाँच रूपया बून्द, घी बीस रुपए में सूंघ।</u>
अहो आश्चर्य! आज सब चीजों के दाम बढ़ रहे हैं, सिर्फ आदमी सस्ता हो रहा है। आदमी से उसकी जान, और भी सस्ती हो गई है। आज के युग में सबसे सस्ता आदमी है। और आदमी की मार्केट वेल्यू कुछ भी नहीं है, उसे कोई भी नहीं पूछ रहा है...। -नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

15 मई से 30 मई 2024 श्री दिगंबर जैन महासमिति श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत श्री संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित सहयोग दिग्म्बर जैन महिला महासमिति के तत्वाधान मे श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, चित्राणावरण एवंम मंगलाचरण के साथ किया गया। दीप प्रज्जवलन व चित्राणावरण श्रीमती पुष्पा श्रुति, रीना, विजिया, मीना, निधि, पदम चंद द्वारा किया गया।इस अवसर पर दस दिन मे जिन्होंने प्रभावना देने मे सहयोग किया उनका सम्मान किया गया।विभिन्न कक्षाओ मे प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय आने वालो एवं बाकी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मान की इसी कड़ी मे अधध्यापन कराने आयी विदुषियों आस्था दीदी, दिव्यांश दीदी, रिया दीदी, शैली दीदी ,नम्रता दीदी ,अनुष्का दीदी पंडित नितीश जी का सम्मान किया गया। जिन्होने इन दस दिनों मे सभी वर्ग के लोगो को एक धर्म रूपी सूत्र मे बांधे रखा।उन सभी का हम सम्मान एवं आभार प्रकट करते है जिन्होंने धार्मिक शिक्षण शिविर को चलाने मे तन मन धन से सहयोग दिया।

सांगानेर महिला महासमिति अध्यक्ष श्रीमती अंजना जैन एवं उनकी पुरी टीम

छीपीटोला में सम्पन्न हुआ दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया। 21 मई से श्री क्षमासागर मैत्रीय महिला संगठन एवं सकल दिगम्बर जैन समाज छीपीटोला के तत्वावधान में आगरा के छीपीटोला स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के जैन भवन में आयोजित हुए दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन 30 मई को हुआ।इस शिविर का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह आगरा के छीपीटोला स्थित निर्मल सेवा सदन में आयोजित किया गया।जिसका शुभारंभ रूपेश जैन एलआईसी वाले एवं मनोज जैन बल्लो द्वारा समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं समाधिस्थ मुनिश्री क्षमासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया।अनिल जैन रंगकर्मी के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ लघु नाटिका का मंचन किया।इसके बाद मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चें एवं बालक,बालिकाएं एवं महिलाओं को प्रतीक चिन्ह एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।तत्पश्चात आयोजक समिति द्वारा शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर छीपीटोला मंदिर कमेटी एवं समस्त महिलाओं मंडलों द्वारा राज्यसभा सांसद नवीन जैन को दुपट्टा एवं पगड़ी,माला पहनकर स्वागत सम्मान कियो इस दौरान महिलाओं ने फैशन शो किया और बच्चों और बालिकाओं ने नृत्य की प्रस्तुति दी इस दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में मेहंदी,डांस,क्राफ्टिंग,ढोलक,जूडो कराटे,पेंटिंग की क्लास लगाई गई।शिविर में करीब तीन सौ से अधिक बच्चों बालकों बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साह से बढ़ चढ़कर भाग लियो कार्यक्रम का संचालन भुवनेश जैन द्वारा किया गयो भगवान पार्श्वनाथ एवं समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागरजी एवं मुनिश्री क्षमासागर जी महाराज के जयकारों से शिविर का समापन किया गया इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के कार्यकारिणी मनोज जैन,प्रदीप जैन, मुरारीलाल जैन,प्रवेश जैन,दीपक जैन, अक्षय जैन,प्रवीन जैन,सत्येंद्र जैन, दीनाबाबू जैन एवं श्री क्षमासागर मैत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष मंजू जैन,मंत्री सरिता जैन दीपाली जैन मुख्य संयोजिका स्मिता जैन,शैलवी जैन,सुषमा जैन,जोली जैन,मीना जैन,इंदु जैन,राखी जैन,प्रेमलता जैन,शालु जैन सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों और श्रेष्ठी शजन को धन्यवाद ज्ञापित किया। -रिपोर्ट शुभम जैन

श्री अनिल मीना रावत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री इंद्रर वीणा सेठी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

इंदौर. शाबाश इंडिया। भारतवर्ष की सर्वाधिक प्राचीन लगभग 130 वर्ष पुरानी एवं सर्वाधिक मान्यता प्राप्त एवं धर्म व समाज सेवा में अग्रणी संस्था भारतवर्षीय दिगंबर जैन श्रुत संवर्धिनी महासभा दिल्ली ने इंदौर मध्य प्रदेश के अनिल मीना रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं इंद्रर वीणा सेठी को प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत किया है।जिनवाणी के प्रचार प्रसार जिनवाणी के रखरखाव व छात्र हित में सर्वाधिक छात्रवृत्ति प्रदान करने का गौरव इस संस्था के नाम में है।इस मनोनयन पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष टीके वेद तीर्थ संराक्षिणी महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र सेठी अमित कासलीवाल राजकुमार पटौदी नरेंद्र वेद डॉक्टर जैनेंद्र जैन बाहुबली पाण्डया कैलाश वेद डीके जैन अशोक बड़जात्या राजेश जैन दादू ने बधाई प्रेषित कर हर्ष व्यक्त किया।

श्री दिगंबर जैन मंदिर में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्र प्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुर में 15 से 30 मई तक धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति महिला अंचल त्रिशला संभाग के सानिध्य में हुआ। 31 मई को प्रातः 8:00 बजे भव्य समापन समारोह हुआ। त्रिशला संभाग कि अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं सचिव रेनू पांड्या ने बताया की कार्यक्रम के अंतर्गत दीप प्रजवलन पवन कुमार गुणमाला लुहाडीया ने किया । पारितोषिक वितरण हीरालाल आशा गर्ग के द्वारा किया गया। संयोजिका एवं शिक्षिका का सम्मन राजेंद्र शीला काला एवं प्रतिभा विशाल गोधा ने किया और अंत में अल्पाहार के पुण्यार्जक शिखर सिंह कुसुम मनोज कासलीवाल थे। कार्यक्रम में महिला अंचल की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजस्थान आंचल की परामर्शकादाता एवं बालिका श्रमंण संस्कृति संस्थान की निर्देशिका डॉक्टर श्रीमती वंदना जैन की गौरवमय उपस्थिति रही। इस अवसर पर मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड मंत्री राजेंद्र काला महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहारिया सचिव श्रीमती रानी सोगानी भी उपस्थित रही। शिविर के अंतर्गत सभी कक्षाओं में फर्स्ट सेकंड थर्ड आने वालों को एवं सभी शिवरार्थियो को पुरस्कार दिया गया।

पंद्रह दिवसीय श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों का आज होगा भव्य सामूहिक समापन समारोह

बिड़ला सभागार में श्रेष्ठ तीन मंदिरों, शिविरार्थियों व रत्नाकर एवार्ड प्राप्तकर्ताओं का होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों का भव्य सामूहिक समापन समारोह शनिवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। प्रचार प्रसार संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि समारोह के पोस्टर का जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर मुनिराज के समक्ष शीला डोड्या के नेतृत्व में विमोचन कर आचार्य श्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। महाविद्यालय अधिष्ठात्री शीला डोड्या ने बताया कि समारोह में नों विषयों में से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता को रत्नाकर एवार्ड दिया जाएगा । साथ ही जयपुर के 46 मंदिरों में पढ़ाये गये विषयों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को एवम्-चयनित श्रेष्ठ तीन मंदिरों को सम्मानित किया जाएगा । प्रचार प्रसार सयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस आचार्य विद्यासागर उपकार समारोह में मुख्य अतिथि जयपुर सांसद प्रत्याशी मंजु शर्मा होगी तथा समाज श्रेष्ठी अशोक पाटनी - सुशीला पाटनी आर के मार्बल, शान्तिकुमार - ममता सौगानी जापान वाले , तरुण - रजनी काला मुंबई , रचना - कुसुम मोदी की विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमामय उपस्थिति रहेगी । इस समारोह में 46 मंदिरों के शिविरार्थियो के अलावा सभी मंदिरों व संस्थाओं के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य श्रेष्ठी उपस्थित रहेंगे ।

धार्मिक संस्कार शिविर समापन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 आयोजित

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया।

जयपुर। श्री दिगंबर ज़ैन समाज, जोबनेर और ऋषभ महिला मंडल, जोबनेर के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन शिविर संयोजक राजेश सेठी व प्रभारी सुनीता बड़जात्या, सोनू ठोलिया, विनोद बड़जात्या, अमित छाबड़ा के सान्निध्य में दिनाँक 16.05.2024 से दिनाँक 24.05.2024 तक किया गया । जिसमें बच्चों को संस्कार सरोवर भाग - I और भाग - II का अध्ययन कराया गया है, शिविर के बच्चों की मौखिक/ लिखित परिक्षा ली गयी l उक्त परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियो एवं समाज के VIIIth बोर्ड में A Grade, Xth बोर्ड में 80% से अधिक, XIIth बोर्ड में 80% से अधिक एवं अन्य उच्च शिक्षा में अध्ययन करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया l मुनि सेवा समिति के सलाहकार व पूर्व अध्यक्ष एवं समाज सेवी अमित छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से की गयी, पंडित रज्जू लाल शास्त्री और पंडित रमेश कुमार शास्त्री का सम्मान कियाl कृषि अधिकारी नरेंद्र बड़जात्या द्वारा कार्यक्रम मे सफलता प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों को नियमित और निरंतर अध्ययन करने की सलाह दी l इस अवसर पर हेरी जैन 98%, आर्यन जैन 96%, रिम्मी जैन 88%, मोली जैन 86%, सोनिया जैन 86%, संयम जैन 86 %, जानवी जैन 84% अक्षत जैन 82% को सकल दिगंबर जैन समाज, जोबनेर द्वारा सम्मानित किया गया lइस अवसर पर प्रवीण ठोलिया, सुरेश छाबड़ा, माणक बड़जात्या, , गोकुल बड़जात्या, सुनील गंगवाल, जितेंद्र बड़जात्या, माणक सेठी , राकेश बड़जात्या, मीनू बड़जात्या, उषा सेठी, सीमा बड़जात्या, मोना ठोलिया, संतोष बड़जात्या, निशा ठोलिया, सहित समाज के महिला पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे l